

**CBSE कक्षा - 9 संस्कृत**  
**एनसीईआरटी प्रश्न-उत्तर**  
**पाठः - 7 प्रत्यभिज्ञानम्**

**अभ्यासः**

**1. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया लिखत-**

- i. भटः कस्य ग्रहणम् अकरोत्?
- ii. अभिमन्युः कथं गृहीतः आसीत्?
- iii. भीमसेनेन बृहन्नलया च पृष्टः अभिमन्युः किमर्थम् उत्तरं न ददाति?
- iv. अभिमन्युः स्वग्रहणे किमर्थम् वञ्चितः इव अनुभवति?
- v. कस्मात् कारणात् अभिमन्युः गोग्रहणं सुखान्तं मन्यते?

**उत्तराणि-**

- i. भटः सौभद्रस्य (अभिमन्योः) गृहणम् अकरोत्।
- ii. अभिमन्युः निश्शस्त्रेण पदातिना बाहुभ्याम् गृहीतः आसीत्।
- iii. भीमसेनेन बृहन्नलया च पृष्टः अभिमन्युः नाम्ना सम्बोधितः सन् उत्तरं न ददाति। सतः आत्मनः तिरस्कारं मन्यते।
- iv. अभिमन्युः अशस्त्रेण पदातिना गृहीतः। सः अशस्त्रे प्रहारं न अकरोत्। अतः सः स्वग्रहणे वञ्चितः इव अनुभवति।
- v. पितृदर्शनात् अभिमन्युः गोग्रहणं सुखान्तं मन्यते।

**2. अधोलिखितवाक्येषु प्रकटितभावं चिनुत-**

- i. भोः को नु खल्वेषः? येन भुजैकनियन्त्रितो बलाधिकेनापि न पीडितः अस्मि। (विस्मयः, भयम्, जिज्ञासा)
- ii. कथं कथं ! अभिमन्युर्नामाहम्। (आत्मप्रशंसा, स्वाभिमानः, दैन्यम्)
- iii. कथं मां पितृवदाक्रम्य स्त्रीगतां कथां पृच्छसे? (लज्जा, क्रोधः, प्रसन्नता)
- iv. धनुस्तु दुर्बलैः एव गृह्यते मम तु भुजौ एव प्रहरणम्। (अन्धविश्वासः, शौर्यम्, उत्साहः)
- v. बाहुभ्यामाहतं भीमः बाहुभ्यामेव नेष्यति। (आत्मविश्वासः, निराशा, वाक्संयमः)
- vi. दिष्ट्या गोग्रहणं स्वन्तं पितरो येन दर्शिताः। (क्षमा, हर्षः, धैर्यम्)

**उत्तराणि-**

- i. जिज्ञासा, विस्मयः
- ii. स्वाभिमानः
- iii. क्रोधः
- iv. शौर्यम्
- v. आत्मविश्वासः
- vi. हर्षः।

**3. यथास्थानं रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत-**

|  |  |  |  |
|--|--|--|--|
|  |  |  |  |
|--|--|--|--|

|     |                  |   |                 |
|-----|------------------|---|-----------------|
| (क) | खलु + एषः        | = | _____           |
| (ख) | बल + _____ + अपि | = | बलाधिकेनापि     |
| (ग) | विभाति + _____   | = | बिभात्युमावेषम् |
| (घ) | _____ + एनम्     | = | वाचालयत्वेनम्   |
| (ङ) | रुष्यति + एष     | = | रुष्यत्येष      |
| (च) | त्वमेव + एनम्    | = | _____           |
| (छ) | यातु + _____     | = | यात्विति        |
| (ज) | _____ + इति      | = | धनञ्जयायेति     |

उत्तराणि-

|     |                          |   |                   |
|-----|--------------------------|---|-------------------|
| (क) | खलु + एषः                | = | <u>खल्वेषः</u>    |
| (ख) | बल + <u>अधिकेन</u> + अपि | = | बलाधिकेनापि       |
| (ग) | विभाति + <u>उमावेषम्</u> | = | बिभात्युमावेषम्   |
| (घ) | <u>वाचालयतु</u> + एनम्   | = | वाचालयत्वेनम्     |
| (ङ) | रुष्यति + एष             | = | रुष्यत्येष        |
| (च) | त्वमेव + एनम्            | = | <u>त्वमेवेनम्</u> |
| (छ) | यातु + <u>इति</u>        | = | <u>यात्विति</u>   |
| (ज) | <u>धनञ्जनाय</u> + इति    | = | धनञ्जयायेति       |

4. अधोलिखितानि वचनानि कः कं प्रति कथयति-

|      |  | कः       | कं प्रति |
|------|--|----------|----------|
| यथा- | आर्य, अभिभाषणकौतूहलं मे महत्               | बृहन्नला | भीमसेनम् |
| (क)  | कथमिदानीं सावज्ञमिव मां हस्यते             | _____    | _____    |
| (ख)  | अशस्त्रेणेत्यभिधीयताम्                     | _____    | _____    |
| (ग)  | पूज्यतमस्य क्रियतां पूजा                   | _____    | _____    |
| (घ)  | पुत्र ! कोऽयं मध्यमो नाम                   | _____    | _____    |
| (ङ)  | शान्तं पापम् ! धनुस्तु दुर्बलैः एव गृह्यते | _____    | _____    |

उत्तराणि-

|      |  | कः        | कं प्रति            |
|------|--|-----------|---------------------|
| यथा- | आर्य, अभिभाषणकौतूहलं मे महत्               | बृहन्नला  | भीमसेनम्            |
| (क)  | कथमिदानीं सावज्ञमिव मां हस्यते             | अभिमन्युः | बृहन्नलां भीमसेनं च |
| (ख)  | अशस्त्रेणेत्यभिधीयताम्                     | अभिमन्युः | भीमसेनम्            |
| (ग)  | पूज्यतमस्य क्रियतां पूजा                   | उत्तरः    | राजानम् (पितरम्)    |
| (घ)  | पुत्र ! कोऽयं मध्यमो नाम                   | भगवान्    | अभिमन्युम्          |
| (ङ)  | शान्तं पापम् ! धनुस्तु दुर्बलैः एव गृह्यते | भीमसेनः   | अभिमन्युम्          |

5. अधोलिखितानि स्थूलानि सर्वनामपदानि कस्मै प्रयुक्तानि-

- वाचालयतु एनम् आर्यः।
- किमर्थं तेन पदातिना गृहीतः।
- कथं न माम् अभिवादयसि।
- मम तु भुजौ एव प्रहरणम्।
- अपूर्व इव ते हर्षो ब्रूहि केन विस्मितः?

उत्तराणि-

- 'अभिमन्युम्' इति कृते
- 'भीमसेनेन' इति कृते
- 'राजानम्' इतिकृते
- 'भीमसेनस्य' इति कृते
- 'अभिमन्युग्रहणेन' इति कृते

6. श्लोकानाम् अपूर्णः अन्वयः अधोदत्तः। पाठमाधृत्य रिक्तस्थानानि पूरयत-

- पार्थ पितरं मातुलं ..... च उद्दिश्य कृतास्त्रस्य तरुणस्य ..... युक्तः।
- कण्ठश्लिष्टेन ..... जरासन्धं योक्त्रयित्वा तत् असह्यं ..... कृत्वा (भीमेन) कृष्णः अतदर्हतां नीतः।
- रुष्यता ..... स्मे। ते क्षेपेण न रुष्यामि, किं ..... अहं नापराद्धः, कथं (भवान्) तिष्ठति, यातु इति।
- पादयोः निग्रहोचितः समुदाचारः ..... । बाहुभ्याम् आहतम् (माम्) ..... बाहुभ्याम् एव नेष्यति।

उत्तराणि-

- जनार्दनम्, युद्धपराजयः
- बाहुना, कर्म
- भवता, उक्त्वा
- क्रियताम्, भीमः

7. (क) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् विचित्य लिखत-

| पदानि |  | उपसर्गः |
|-------|--|---------|
|-------|--|---------|

| यथा-   | आसाद्य       | - | आ     |
|--------|--------------|---|-------|
| (i)    | अवतारितः     | - | _____ |
| (ii)   | विभाति       | - | _____ |
| (iii)  | अभिभाषय      | - | _____ |
| (iv)   | उद्धृताः     | - | _____ |
| (v)    | तिरस्क्रियते | - | _____ |
| (vi)   | प्रहरन्ति    | - | _____ |
| (vii)  | उपसर्पतु     | - | _____ |
| (viii) | परिरक्षिताः  | - | _____ |
| (ix)   | प्रणमति      | - | _____ |

उत्तराणि-

| पदानि  |              |   | उपसर्गः |
|--------|--------------|---|---------|
| यथा-   | आसाद्य       | - | आ       |
| (i)    | अवतारितः     | - | अव      |
| (ii)   | विभाति       | - | वि      |
| (iii)  | अभिभाषय      | - | अभि     |
| (iv)   | उद्धृताः     | - | उत्     |
| (v)    | तिरस्क्रियते | - | तिरः    |
| (vi)   | प्रहरन्ति    | - | प्र     |
| (vii)  | उपसर्पतु     | - | उप      |
| (viii) | परिरक्षिताः  | - | परि     |
| (ix)   | प्रणमति      | - | प्र     |

(ख) उदाहरणमनुसृत्य कोष्ठकदत्तपदेषु पञ्चमीविभक्तिं प्रयुज्य वाक्यानि पूरयत-

यथा- श्मशानाद् धनुरादाय अर्जुनः आगतः। (श्मशान)

i. पाठान् पठित्वा सः \_\_\_\_\_ आगतः। (विद्यालय)

ii. \_\_\_\_\_ पत्राणि पतन्ति। (वृक्ष)

- 
- iii. गङ्गा \_\_\_\_\_ निर्गच्छति। (हिमालय)  
iv. क्षमा \_\_\_\_\_ फलानि आनयति। (आपण)  
v. \_\_\_\_\_ बुद्धिनाशो भवति। (स्मृतिनाश)

उत्तराणि-

- i. विद्यालयत्  
ii. वृक्षात्  
iii. हिमालयात्  
iv. आपणात्  
v. स्मृतिनाशात्
-